आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 138 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 28 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर

श्री सिद्धि विनायक

अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध

हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम

हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता

MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)

Consultant Intervational Cardiology

परामर्श समय -

प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक

12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

बदमाशों के निशाने पर 100 सीसी की बाइक

अच्छी रिसेल वैल्यू, पार्ट्स भी आसानी से खुलते, जिलेभर में सक्रिय बाइक चोर गिरोह

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बाइक चोर गिरोह पर लगाम लगा पाने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 100 सीसी की बाइक चोरों के निशाने पर है। हर दस में से छह बाइक 100 सीसी की होती है। बाइक बरामदगी का अनुपात भी लगभग यही है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि थानों के रिकॉर्ड में जिक्र है। दर्ज आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि जो भी मॉडल चोरी हो रहे हैं वे 100 सीसी इंजिन वाले हैं। इसके तीन बड़े कारण भी है। रिसेल वेल्यू अच्छी होना, प्रति लीटर साठ किमी से ज्यादा का एवरेज और पार्ट्स खोलने में भी समय नहीं लगना।

नहीं थम रही बाइक चोरी की वारदात...

शहर सहित जिलेभर में बाइक चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। भीड़ भरे इलाके, बाजार, रेलवे स्टेशन और बैंक परिसर के साथ ही लोगों के घरों के बाहर से रोज एक- दो दोपहिया वाहन चोर ले जा रहे हैं। गिरोह के सदस्य बाइक पर दूर से नजर रखते हैं। बाइक सवार अपनी गाड़ी से थोड़ी दूर हुए नहीं कि चोर कारनामा दिखाने में समय नहीं लगाता। मास्टर चाबी से या किसी अन्य तरीके से बाइक लेकर चंपत हो जाता है। देखा गया है कि लोग जल्दबाजी में अपनी बाइक को लॉक नहीं करते और खरीदारी करने जुट जाते हैं। इसी लापरवाही का बदमाश फायदा उठाते हैं। बदमाशो के पास मास्टर की होती है। इसका उपयोग बाइक चोरी के लिए करते हैं।

कुछ तो एफआईआर भी नहीं कराते...

शहर में तीस फीसदी लोग बाइक खरीदते समय ही बीमा कराते हैं। इसके बाद ध्यान नहीं देते। इधर बाइक चालान करते समय भी पुलिस इनसे वास्ता नहीं रखती। केवल पैसे लेकर गाड़ियां छोड़ देती है। बाइक मालिक दूसरी बार बीमा कराने नहीं जाते। इसीलिए चोरी होने के बाद ऐसे लोग रिपोर्ट दर्ज कराने भी थाने नहीं जाते।

कबाड़ दुकानों में खप रही चोरी की गई बाइक...

चोरी की अधिकांश बाइक कबाड़ियों के पास खपाई जाती हैं। कबाड़ी एक बाइक दो से तीन हजार रुपए में खरीदकर उसका एक -एक पार्ट्स अलग कर देते हैं। इनका हर पूर्जा अलग कर इंजन व कीमती सामानों को मैकेनिकों के पास बेच देते हैं। विशेषकर जिले में चोरी होने वाली बाइक को अन्यत्र जिले में बेचा जाता है।

अपनी बाइक की सुरक्षा के लिए ये उपाय करना होगा...

✻ कार की तरह बाइक में भी सेंटर लॉक लगा सकते हैं। यदि कोई आपके बाइक के करीब आएगा या दूसरी चाबी का उपयोग करेगा तो अलर्ट के सिंग्नल के रूप में आवाज आने लगेगी।

✻ लॉक की हमेशा जांच कराते रहें, चार पांच महीने बाद इसे बदलना न भूलें। बार बार चाबी लगाने से लाक के भीतर का हिस्सा घिस जाता है, फिर उसमें कोई भी चाबी काम करने लगती है।

✻ संभव हो तो गाड़ी को स्टैंड में खड़ी करिए, यदि आसपास इसकी व्यवस्था नहीं हो तो चक्कों को भी लाक कर रखें। इसके लिए अलग से राउंड लाक लेकर चलें।

✻ गाड़ी के कागजात दुरुस्त रखें, ताकि चोरी होने के बाद एफआईआर दर्ज करा सकें। साथ ही बीमा क्लेम भी कर सकें।

✻ गाड़ी पर बार बार नजर रखें, यदि किसी की गतिविधियां संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना पुलिस को दें।

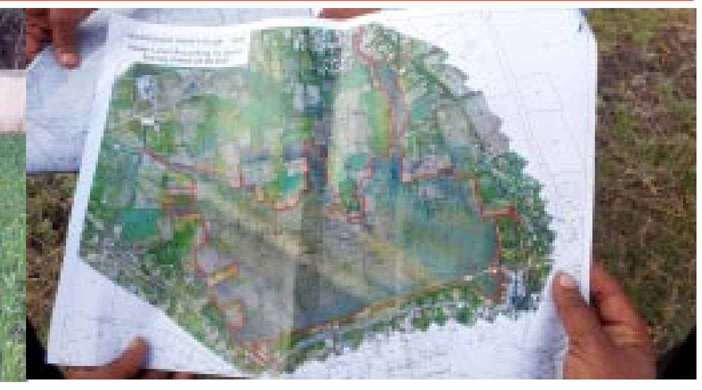

...और छोटा हो जायेगा तेलिया तालाब..!

एनजीटी ने टीएनसी द्वारा उपलब्ध कराए नक्षे को मान्यता दी, उसी अनुसार किया जा रहा सीमांकन

हैदराबाद की कंपनी ने बनाया है ड्रोन से नक्षा

आशीष नवाल

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एनजीटी के आदेश के बाद कलेक्टर के निर्देश पर तीसरी बार तेलिया तालाब का सीमांकन किया जा रहा है। मंगलवार शाम अधिकारियों, कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर सीमांकन कार्य शुरु किया। ग्राम एवम नगर निवेश नीमच 'टीएनसी' द्वारा उपलब्ध कराए गए नक्शे के अनुसार बरसो पुराने और लगभग 550 बीघा का तालाब अब वैसे भी 100 - 150 बीघा का रह गया है। अब तालाब के पूरी तरह खत्म होने की स्थिति बन रही है। आम शहरी यह सोच रहा है की देश के हरित न्यायाधिकरण 'एनजीटी' भी सही निर्णय क्यों नही कर पा रहा है। क्या बरसो पुराने किसी तालाब की सीमा को वर्तमान नजरी नक्शे से समझा जा सकता है? यह सवाल आम आदमी के जेहन में बार बार आ रहा है। लेकिन, जनप्रतिनिधियों और नौकरशाहों की मिलीभगत कहे या अनदेखी, शहर के आमजन तालाब को समाप्त होता देख रहे है।

इधर सीमांकन करने वाले अमले का कहना है की एनजीटी के आदेश है, जिस नक्शे को एनजीटी ने सही माना है, उसी के अनुसार सीमांकन किया जा रहा है। जब सीमांकन करने वालो ने भी इस नक्शे को देखा तो आश्चर्यचकित रह गए। शुरुआत में ही पहले के मुकाबले काफी अंदर पोल लगाने की तैयारी की गई है।

हैदराबाद की कंपनी ने बनाया है नक्शा...

एनजीटी को गुमराह करने के लिए बार बार अलग अलग नक्शे पेश किए गए। जिसे देखते हुए एनजीटी ने आखरी में टीएनसी हैदराबाद की कंपनी से ड्रोन के माध्यम से नजरी नक्शा बनवाया और उसे पेश किया। जिसे एनजीटी ने स्वीकार कर इसी नक्शे के अनुसार तालाब का सीमांकन किए जाने का आदेश कर दिया। लेकिन, इस सब में यह नहीं देखा गया की ड्रोन से केवल वर्तमान स्थिति दिखाई देती है। जो बरसों से लोगो का कब्जा है, वह इस नक्शे में कैसे दिखाई दे सकता है? खैर, देखना होगा कि आधे से ज्यादा शहर के लोगो की प्यास बुझाने और भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने में मददगार तेलिया तालाब की मौत कब होती है।

लापरवाही– तेलिया तलाब पर लगी सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा के आसपास सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाई जाना थी। लेकिन, अभी तक कोई निर्णय नहीं ले पाए, रैलिंग नहीं होने से प्रतिमा के आसपास लोग गंदगी कर जाते है।

बार-बार बदलता मौसम बिगाड़ रहा लोगों की सेहत, हार्ट पेशेंट रखें विशेष सतर्कता

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। इस मौसम में सेहत का ख्याल रखना जरूरी है। बदलते तापमान की वजह से शरीर को एडजस्ट करने में दिक्कत होती है। यही कारण है कि एलर्जी, बुखार, जुकाम के मरीज बढ़ रहे हैं। ब्लड प्रेशर, शुगर, हृदय रोग से पीड़ित लोगों को भी सतर्क रहना जरूरी है। दिन में भी कपड़े पूरी तरह न उतारें। सुबह-शाम तो विशेष तौर पर सतर्क रहें।

मौसम में बदलाव और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण इम्यूनिटी सिस्टम पर भी असर पड़ रहा है। जिससे क्षेत्र में वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। ज्यादातर मामलों में मौसमी बदलाव के चलते वायरल, बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं बता दें कि रोजाना तापमान में उतार-चढ़ाव से लोगों की सेहत खराब हो रही है। इस मौसम में संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा रहता है। इन दिनों सर्दी-जुकाम, खांसी, सांस लेने में परेशानी सहित बुखार जैसी बीमारी बढ़ रही है।

पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव आया है। दिन में तापमान ज्यादा रहता है। जबकि रात में कभी ठंड तो कभी गर्मी, ऐसे में जरा-सी भी लापरवाही आपकी सेहत खराब कर सकती है। सर्दी का मौसम जाने के बाद और गर्मी शुरू होने के बीच मौसम काफी स्विंग करता है। इस मौसम में संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा रहता है।

उत्तर-भारत व जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी होने से क्षेत्र में ठंड का असर सुबह-शाम बना हुआ था। सुबह-शाम ठंड व दोपहर में गर्मी का अहसास बना रहता था। मौसम ठंडा होने से तापमान में गिरावट दर्ज हो रही थी। लेकिन, अब पिछले दो दिनों से तापमान में फिर गिरावट दर्ज हो रही है। दिन में धीरे-धीरे गर्मी के तेवर तेज होते जा रहे हैं। जबकि, रात्रि अभी भी ठंडी है।

बारिश होने की संभावना...

शहर सहित अंचल में फिलहाल सुबह शाम ठंड का असर दिख रहा है। ठंडी हवाओं का दौर जारी है और दोपहर में धूप सहारा बन रही है। इधर मध्यप्रदेश में बारिश और ओलो का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव है। सोमवार के बाद मंगलवार को प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। हालांकि, अंचल में इसका असर नहीं है, लेकिन बादल छाए हुए रहे। 28 फरवरी बुधवार को सिस्टम कमजोर होगा। जिले में अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम जानकारों के अनुसार 29 फरवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। मौसम विज्ञान केंद्र के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि बिहार के आसपास और छत्तीसगढ़ से तेलंगाना तक भी ट्रफ लाइन गुजर रही है। प्रति चक्रवात की वजह से आंध्रप्रदेश और ओडिशा तट के आसपास हवा भी चल रही है, जिससे मध्यप्रदेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में नमी आ रही है। इस कारण प्रदेश में तेज बारिश, ओले और आंधी का दौर जारी है।

पेयजल के लिए– मंगलवार को कालाभाटा बांध का एक गेट आधा फिट खोला गया। जिससे रामघाट बैराज 10 फिट भराया। यहां कड़ी शटर लगाने के बाद भी पानी की लीकेज हो रही है। जिसे रोकने के लिए मिट्टी डाली जा रही है।

प्रथम पाली में हो परीक्षा का आयोजन

माशिमं ने लोक शिक्षण संचनालय को लिखा पत्र

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। माशिमं भोपाल के सचिव ने लोक शिक्षण संचनालय आयुक्त को पत्र लिखा है। जिसमें नौवीं और ग्यारहवीं की परीक्षा सुबह की पाली में कराने का अनुरोध किया गया है। जिससे मूल्यांकन कार्य प्रभावित न हो।

पत्र में कहा गया कि मण्डल की हाईस्कूल/ हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2024 दिनांक 05 फरवरी 2024 से प्रारंभ होकर 05 मार्च 2024 को समाप्त हो रही है। हाईस्कूल / हायर सेकण्डरी परीक्षा का मूल्यांकन कार्य 22 फरवरी 2024 से प्रारंभ हो गया है, जो सतत समाप्त होने तक चलेगा। 06 मार्च 2024 से कक्षा 9वीं एवं 11वीं की स्थानीय परीक्षायें प्रारंभ हो रही है। कक्षा 9वीं की परीक्षा प्रथम पाली एवं 11वीं की परीक्षा द्वितीय पाली में आयोजित करने संबंधी परीक्षा कार्यक्रम आपके द्वारा जारी किया गया है। स्थानीय परीक्षाएं दोनो पालियों में संचालित होने से संस्था के प्राचार्य /व्याख्याता / शिक्षक स्थानीय परीक्षाओं में ही व्यस्त हो जाएंगे, जिससे हाईस्कूल / हायर सेकण्डरी परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रभावित होगा।

सुझाव हो रहे पात्र– समस्त मूल्यांकन अधिकारी से सुझाव प्राप्त हो रहे हैं कि कक्षा 9वीं/ 11वीं की स्थानीय परीक्षा वर्ष 2024 ... **शेष पेज 4 पर**

अंतिम यात्रा

मेरे भतीजे, राजमल, राधेश्याम के अनुज व जगदीश, प्रहलाद, स्व. सुरेश (अम्बिका), जयप्रकाश, महेश, हरिश, जयप्रकाश (बी.आर.), सुनील, मनोहर, कैलाश (केसी), कमल, संदीप के भ्राता, श्रेयांश के ताऊजी, अर्जुन, रूद्र, जन्मजय, मृत्युन्जय के दादाजी, नवनीत, अरूण के पूज्य पिताजी

श्री विनोद गर्ग

(सुपुत्र स्व. बापूलाल जी गर्ग) लक्ष्मी आईल मील

का देवलोकगमन 27 फरवरी 2024 मंगलवार को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा 28 फरवरी 2024 बुधवार को प्रातः 9.15 बजे

निज निवास केशव सदन शिवजी बसेर नगर मंदसौर से शव वाहन द्वारा मुक्तिधाम जाएगी।

शोकाकुल

सुरजमल गर्ग (चाचा) एवं समस्त गर्ग (केडिया परिवार)

फर्म

केशव इण्डस्ट्रीज प्रा.लि. इंदौर, अम्बिका सोया प्रा.लि. मंदसौर, केशव पेपर मंदसौर

कोई भी लड़े, लोकसभा बीजेपी की ही रहेगी

कांग्रेस में लड़ने वाले बहुत प्रत्याशी, लायक एक भी नहीं..!

मंदसौर/उज्जैन, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव के मतदान की तारीखो के साथ ही राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होना अभी बाकी है। भाजपा में प्रत्याशी बनने की कतार लंबी और इतनी मजबूत है की पूरी 29 सीटों पर अगर नए प्रत्याशी खड़े करना हो तो तलाशने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। जबकि, प्रदेश में सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस को एक सीट पर एक प्रत्याशी बन जीतने लायक कार्यकर्ता पूरी सीटों पर नहीं मिल पा रहे हैं। जहां प्रत्याशी लायक कार्यकर्ता है, वहां गुटीय प्रतिस्पर्धा हरवाने को तैयार है। जबकि, भाजपा प्रत्याशी बदल जाए या नया हो तब भी सभी कार्यकर्ता संगठन के साथ अपने प्रत्याशी को जितवाने के लिए पूरी ताकत लगा देते हैं। इसी कारण यह वातावरण बना हुआ है भाजपा किसी को भी प्रत्याशी बनाएं जीतेगी ही और कांग्रेस को अपने ही लड़ने वालों में से प्रत्याशी बनने लायक कार्यकर्ता को छाटना भी रेत के ढेर से जीरा तलाशने जैसा है।

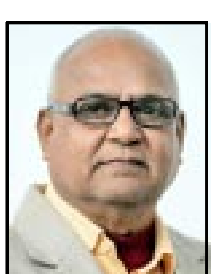

चन्द्रमोहन भगत

भाजपा की जो संगठन की स्थिति आज है, वैसी पहले नहीं थी। आज राष्ट्रीय स्तर पर प्रभुत्व कायम होता जा रहा है। जबकि, कांग्रेस का प्रभुत्व पूरे देश भर में था, वह सिमटता जा रहा है। इसका एकमात्र कारण सांगठनिक दुर्व्यवस्था और अदूरदर्शिता है। यह दृश्य सभी को सतह पर साफ नजर आता है, सिर्फ कांग्रेस के चंद योजनाकारों को छोड़कर जो मुख्यालय में बैठे रहकर अपने ही सर्वशक्तिमान युवराज राहुल गांधी को गलत जानकारी से हमेशा लबरेज़ रखते हैं। इतना की कोई सेवाभावी समर्पित कांग्रेसी भी सही और निष्पक्ष वस्तु स्थिति उनके जेहन में चाह कर भी घुसेड़ नहीं सके! इस युवराज को ही सारे निर्णय लेना है, उसके अपने योजनाकार मक्कार हो, थिंक टैंक सिर्फ हुंकारा भरते हो तब संगठन का भविष्य वैसा ही होगा जैसा पिछले 15 सालों से लोकसभा, विधानसभा में घटकर सिमटते जाने को मजबूर रहा है।

बता दें कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए तीन महीने पुरानी घटना है। खासे बहुमत से भाजपा की सरकार बनी। खुशी मनाई पर उद्देश्य नहीं भूले और तत्काल ही लोकसभा चुनाव को टारगेट कर अति वरिष्ठ से लेकर जमीनी कार्यकर्ताओं को काम पर लगा दिया है। ग्रामीण क्षेत्र में पराक्रम यात्रा चल पड़ी है। वरिष्ठ नेताओं को संयोजक बनाया है। सभी ने लगभग अपने प्रभार वाले प्रदेश, संभाग, जिलों में एक-एक बैठक कर डाली है। मुख्य संगठन ने सभी मोर्चों को प्लान देकर टारगेट पूरा करने में लगा दिया है। ऐसे अनेक कार्यक्रम भाजपा नेतृत्व जमीन पर उतार चुका है। जबकि, कांग्रेस में अभी तक सभी लोकसभा क्षेत्र के संयोजक, प्रभारी के पास कोई कार्य योजना नहीं पहुंची है। चुनाव में अब समय ही नहीं बचा है। अब जबकि, क्षेत्रीय जनमत का मन टटोलकर उपयुक्त प्रत्याशी लायक कार्यकर्ता का चयन कर सके, ऐसे में होगा वही जो कांग्रेस में लगातार होता रहा है। ऐन वक्त पर युवराज राहुल गांधी की दिल्ली बैठी क्षेत्र से अनजान मंदबुद्धि सलाहकार अपने-अपने चहेतों को प्रत्याशी बनवा देंगे! हो सकता है इनमें से कुछ बेहतर प्रत्याशी भी निकल जाए। किन्तु क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उन्हें जीताने वाले कार्यकर्ता कहां से मिलेंगे, कैसे उन्हें अब तैयार किया जाएगा, विश्वास में लिया जाएगा! जबकि, भाजपा में संगठन ने विधानसभा चुनाव में बहुमत पाने के बाद तत्काल ही लोकसभा चुनाव जीतने के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर लोकसभा से लेकर वार्डो तक में भाजपा को जीताने की तैयारी शुरू कर दी है।

यह कहना अतिशयोक्ति ना होगा कि सभी लोकसभा प्रत्याशियों में वर्तमान सांसद भी होंगे या दो बार जीतने वालों को बदलकर नए नाम को मैदान में उतारा जाएगा। क्योंकि, भाजपा में प्रत्याशी को चुनाव संगठन ही लड़वाता है, जीतवाता भी है। उधर कांग्रेस में संगठन सिर्फ अपने युवराज राहुल गांधी को जीताने में जुटता है, बाकी प्रत्याशी जाए भाड़ में! बीता चुनाव इसका उदाहरण है। कमजोर संगठन के कारण राहुल गांधी अपनी पुश्तैनी सीट अमेठी से हारे। जबकि, नीलकंठ नीलेकणी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, दिग्विजय सिंह जैसे नामी देश भर की राजनीति में प्रचलित नाम भी हारे थे। इस हार से भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं लिया है। अभी तक कांग्रेस को जीताने के लिए ना लोकसभा प्रत्याशी तय हुए ना योग्य संगठक, पर्यवेक्षक, योजनाकार आगे आए हैं। ऐसे में जो राजनीतिक दृश्य नजर आ रहा है, कहा जा सकता है कि कांग्रेस इतनी चुनावी पछाड़ खाने के बाद भी जमीन छोड़ कर हवा मे चुनाव लड़ने की सोच रही है।

विचार-मंथन

अतीत में, कांग्रेस ने इस भूमिका को निभाया, लेकिन 1969 में इंदिरा गांधी की सत्ता को मजबूत करने की कार्रवाइयों के कारण इसके जमीनी स्तर के संपर्क गायब हो गए। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अपने गढ़ से परे भी वायदा दिखाया है, लेकिन निरंतर विकास के लिए दोनों पार्टियों को विकसित होने की जरूरत है। प्रभावी शक्ति के लिए व्यक्तिगत आंकड़ों से परे सुव्यवस्थित संरचनाओं की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, राष्ट्र ने फली नरीमन को खो दिया जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए खड़े थे और स्वतंत्र भाषण के समर्थक थे।

दुनिया की मात्र 8 प्रतिशत आबादी पूर्ण लोकतंत्र में रहती है

इकोनॉमिस्ट इंटैलीजेंस यूनिट द्वारा जारी लोकतंत्र सूचकांक विश्व स्तर पर लोकतंत्र की स्थिति के बारे में रुझानों का खुलासा करता है। इस वर्ष चुनाव कराने वाले 70 देशों में से केवल 43 में पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया हुई। सूचकांक एक कठोर वास्तविकता को उजागर करता है। दुनिया की 8 प्रतिशत से भी कम आबादी पूर्ण लोकतंत्र में रहती है जबकि लगभग 40 प्रतिशत सत्तावादी शासन के तहत रहती है। सबसे लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में नॉर्वे इस सूची में शीर्ष पर है, जबकि अफगानिस्तान सबसे निचले स्थान पर है। भारत, हालांकि अपनी रैंकिंग में सुधार दिखा रहा है, फिर भी इसे 'त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। चीन और भारत दोनों ने 2023 में कुछ सुधार देखे। चीन का स्कोर बढ़ गया, लेकिन अभी भी इसे बहुत कम लोकतंत्र स्तर पर माना जाता है, जो मुख्य रूप से सरकार द्वारा नियंत्रित है। हालांकि भारत के लोकतंत्र को त्रुटिपूर्ण माना जाता है, फिर भी इसका स्कोर चीन से बेहतर है और इसकी राजनीतिक व्यवस्था अधिक खुली है। चीन में, सुधार वास्तविक से अधिक औपचारिक थे। उसने सेना पर नियंत्रण कड़ा कर दिया और अपनी संसद में महिला सांसदों की संख्या बढ़ा दी। हालांकि, वास्तविक शक्ति अभी भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पास है, जो ज्यादातर पुरुष-प्रधान है। भारत में, सरकार और राजनीतिक संस्कृति में सुधार हुआ, लेकिन नागरिक स्वतंत्रता में झटका लगा, विशेष रूप से मणिपुर में। पीछे मुड़कर देखें, तो भारत ने अपनी लोकतांत्रिक यात्रा में दो महत्वपूर्ण असफलताओं का अनुभव किया है-जून 1975 से मार्च 1977 तक आपातकाल की अवधि और 2014 में नरेंद्र मोदी के चुनाव के साथ शुरू हुई हालिया गिरावट। मोदी के कार्यकाल के दौरान, औपचारिक लोकतांत्रिक संस्थाएं बरकरार रहीं। हालांकि, मोदी सरकार ने ऐसी नीतियां लागू की हैं जो राजनीतिक स्वतंत्रता को कमजोर करती हैं और समावेशिता की वकालत करने वाली आवाजों को दबाती हैं। मोदी प्रशासन ने 2014 से गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) के खिलाफ अवांछित कार्रवाई की है। भारत का नागरिक समाज, जिसमें 200,000 से अधिक पंजीकृत एन.जी.ओ. शामिल हैं, देश के विकास और लाखों गरीब भारतीयों की भलाई में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। फिर भी, सरकार की नीतियां, जिनमें विदेशी फंडिंग पर सीमाएं और गैर सरकारी संगठनों पर लक्षित अन्य नियम शामिल हैं, को आलोचना का सामना करना पड़ा है। केर्न्स इंस्टीच्यूट के रिसर्च फैलो केरिन सिम्स, ईस्ट एशिया फोरम में लिखते हैं ''वास्तव में, मोदी के नेतृत्व ने अवरोधन की राजनीति को आगे बढ़ाया है, व्यापक नीतियों को लागू किया है जो राजनीतिक स्वतंत्रता को खत्म करती हैं और समावेशिता के समर्थकों को चुप कराती हैं। काम में रुकावट डालने की इस राजनीति को देखने के लिए, किसी को भिखारियों को बेदखल करने और झुग्गियों को छुपाने की घटनाओं पर गौर करने की जरूरत नहीं है, जो जी-20 शिखर सम्मेलन की अगुवाई में हुई थी। यह गिरावट इंदिरा गांधी के तहत आपातकाल के बिल्कुल विपरीत है, जिसके दौरान उन्होंने औपचारिक रूप से कई लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट कर दिया था, जिसमें चुनाव पर प्रतिबंध लगाना, राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालना, नागरिक स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना, स्वतंत्र मीडिया को सेंसर करना और अदालतों के अधिकार को कमजोर करने वाले संवैधानिक संशोधन पारित करना शामिल था। इसलिए, मैं तर्क दूंगा कि भारतीय लोकतंत्र अपने परिचित रूप में कायम है, जो इसकी गड़बड़ी और लोकतांत्रिक और सत्तावादी विशेषताओं के बीच परस्पर क्रिया की विशेषता है। तो हम भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिए क्या कर सकते हैं? खैर, भारत के लिए अपने लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने का सबसे अच्छा मजबूत रास्ता जमीनी स्तर के समर्थन के साथ एक वास्तविक विपक्षी दल के उदय पर निर्भर करता है।

फिल्म आर्टिकल 370 देखो, सही सूचना मिलेगी...!

विष्णु शर्मा

हाल ही में प्रधानमंत्री ने एक मूवी को देखने की लोगों को सलाह दी, जो आज ही रिलीज हुई है। ये सलाह देने के लिए उन्होंने जगह भी सही चुनी थी। जम्मू कश्मीर में सभा थी और मूवी का नाम है आर्टिकल 370। मोदी ने कहा, मैंने सुना टीवी पर कि एक फिल्म आर्टिकल 370 पर आ रही है, अच्छा है, अब लोगों को सही सूचना मिलेगी। ऐसे में ये लगने लगा कि पूरी मीडिया, संसद की बहसें, सुप्रीम कोर्ट में इस केस की कार्यवाही और बीजेपी नेताओं के बयान आदि अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर पब्लिक को ऐसा क्या नहीं बता पाए जो ये मूवी बताएगी? लोगों में दिलचस्पी जागना स्वाभाविक है। इस मूवी के निर्माता आदित्य धर पर वाकई में बड़ी जिम्मेदारी थी। पत्नी यामी गौतम को उरी के बाद लगातार दूसरी बड़ी फिल्म में कामयाबी दिलानी थी और चूंकि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पीएम मोदी के दूसरी बड़े फैसले पर ये मूवी बनी थी, तो उनकी प्रतिक्रिया की भी चिंता थी। ये चिंता तब और बढ़ गई थी जब मोदी ने रिलीज से पहले ही ये बयान भी दे दिया। हालांकि इससे उनका फायदा ही होगा, क्योंकि पीएम किसी मूवी को देखने की सलाह अगर दे रहे हैं, तो समझिए कि हजारों टिकट तो ऐसे ही बिक जाएंगे। फिल्म के प्रिव्यू के बाद पीएम मोदी के इस बयान का मतलब भी समझ आया। वाकई में इस मूवी की खूबसूरती थी कि जो बात संसद में, टीवी डिबेट्स में और सुप्रीम कोर्ट में चर्चा के बावजूद आम आदमी को उतना समझ नहीं आई, उसको आसानी से इस मूवी में समझा दिया गया है। कम समय में बड़े परदे पर टू द प्वॉइंट तरीके से बात समझ भी जल्दी आती है। ये मूवी ना केवल आर्टिकल 370 लगाने की वजह को एक मिनट के अजय देवगन के सूत्रधार वाले वॉयस ओवर से समझा देती है, बल्कि आर्टिकल 370 ना हटने के पीछे क्या क्या वजहें रही हैं, उनको भी कई दृश्यों और डायलॉग्स के जरिए आम दर्शकों को स्पष्ट कर देती है। साथ ही ये मूवी यह भी बताती है कि धारा 370 हटाने जैसा नामुमकिन सा लगने वाला काम कैसे संविधान की ही एक दूसरी धारा 367 के जरिए हटाना मुमकिन हुआ। फिल्म की कहानी है एक ऐसी लड़की जूनी हक्सर (यामी गौतम धर) की जो कश्मीर में आईडी (आईबी) ऑफिसर है और अपने सीनियर (राज अर्जुन) के रोकने पर भी आर्मी कैप्टन दोस्त की मदद से बुरहान वानी को मार गिराती है। दिल्ली ट्रांसफर होने के बाद उसे दूसरी महिला राजेश्वरी स्वामीनाथन (प्रियमणि) जो पीएमओ में संयुक्त सचिव है, फिर से कश्मीर भेजती है। इस बार एनआईए का कश्मीर का चीफ बनाकर। मोदी और अमित शाह के बजाय आपको लगेगा कि धारा 370 हटाने और इस दौरान कश्मीर में भी नेताओं, अलगाववादियों और आतंकियों व पत्थरबाजों पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी राजेश्वरी और जूनी के कंधों पर ही थी। अनुच्छेद 370 हटाने के लिए जो कश्मीर की संविधान सभा की ताकत थी, 1957 में उस सभा के खत्म हो जाने के बाद उसका तोड़ ढूंढने की जिम्मेदारी इसी महिला अधिकारी पर थी। जैसे ही सारी दिक्कतों से निकलकर राज्यसभा में आर्टिकल 370 पर प्रस्ताव पास होता है, मूवी की कहानी खत्म हो जाती है।

हालांकि मोदी की ये बात तो सही है कि मूवी से सही जानकारी मिलेगी। आर्टिकल 370 का तोड़ जिस तरह बिना 370 को छेड़े अनुच्छेद 367 में ढूंढा गया, आसान शब्दों में ये मूवी समझा देती है। कश्मीर की संविधान सभा के खत्म हो जाने के बाद उसकी ताकत विधानसभा को, और विधानसभा भंग रहने के दौरान गवर्नर को, फिर उसके जरिए राष्ट्रपति को मिल जाएगी। साथ ही 367 कैसे राष्ट्रपति को संविधान की व्याख्या की भी ताकत देती है। लेकिन मूवी के मुताबिक 95 फीसदी काम इन दोनों महिलाओं का था, इस फिल्म को देखने वाली ज्यादातर जनता ताउम्र ऐसा ही सोचेगी। ये इस मूवी का साइड इफैक्ट भी होगा। हालांकि पीएम मोदी जो देश को बताना चाहते हैं वो भी इस मूवी के आसान सीन में बताया गया है कि कैसे हमारे अधिकारी बैक चैनल्स में फंसकर चलने दो एटीट्यूड में ही कश्मीर को लेकर काम कर रहे थे। कैसे टैररिज्म वहां के सैकड़ों लोगों के लिए बिजनेस बन गया था। कैसे बेरोजगारी से पत्थरबाजी हो रही थी। कैसे नेता अलगाववादियों और पाकिस्तान की मदद से काम कर रहे थे। कैसे युवा आतंकियों का इस्तेमाल हो रहा था। कैसे भारत विरोध के नाम पर लोग रोटियां सेक रहे थे। कहानी में इमोशन जोड़ने के लिए जूनी हक्सर के व्हिसिल ब्लोअर पापा की हत्या जो आत्महत्या दिखा दी गई, को भी कहानी से जोड़ा गया है। पुलवामा हमले में उनके एक साथी की मौत को भी दिखाया गया है। लेकिन दूसरी महिला नायिका यानी पीएमओ में ज्वॉइंट सेक्रेटरी राजेश्वरी स्वामीनाथ को इतना शक्तिशाली दिखाया गया है, मानो आर्टिकल 370 उन्हीं की मेहनत से हटा है और वही एनआईए आदि एजेंसियों को हैंडल करती हैं। एक वक्त में तो उन्हीं के जरिए कश्मीर में आर्मी मूवमेंट भी होता है। यह भी हो सकता है नारी शक्ति को उभारने के लिए जानबूझकर पीएमओ के अधिकारी या एनएसए अजीत डोवाल के रोल को महिला के रोल में बदल दिया गया हो। खैर मूवी में एक तीसरी महिला एक टीवी रिपोर्टर भी दिखाई है, जो पीएमओ में भी बेरोकटोक घुस जाती है। कभी भी राजेश्वरी पर ताने मार देती है। लगता ही नहीं निर्देशक को वर्तमान पीएमओ या चैनल्स की कार्यशैली का कोई आइडिया रहा होगा, वो बरखा दत्त से ज्यादा प्रभावित लगता है। पूरी मूवी में प्रधानमंत्री बने अरुण गोविल या अमित शाह बने किरण कर्माकर इंटरवल के बाद ही दिखते हैं। चूंकि अमित शाह ने ही राज्यसभा में दमदारी से आर्टिकल 370 को हटाने की बहस की थी, सो किरण कर्माकर को आखिर में स्क्रीन स्पेस ज्यादा मिल गया है। बाकी सभी कलाकारों में फारुख अब्दुल्ला का रोल करने वाले राज जुत्शी या महबूबा मुफ्ती के किरदार को जरूर बीच बीच में स्क्रीन स्पेस मिला है, नहीं तो यामी के बॉस राज अर्जुन और उसके सहयोगियों यश चौहान और वसीम को ही समय मिला है, बाकी मूवी तो यामी और प्रियमणि के इर्द गिर्द ही घूमती रही है।

आखिर क्यों बच्चे से लेकर बड़े तक खो रहे आपा...

धर्मेंद्र जोशी

पांच दशक पहले गांव, कस्बे और छोटे शहरों का बचपन आज के बचपन से बिल्कुल अलहदा था, संयुक्त परिवारों की छांव में, सघनता से बुने हुए रिश्तों का एक अटूट बंधन बच्चों को जन्म से ही मिलता था, जिसके सुवासित वातावरण में उन्मुक्त बाल्यकाल गुजरता था। उसमें नानी-दादी की कहानियां धर्म और अध्यात्म से जुड़ाव एक दूसरे के प्रति समर्पण ममत्व की भावना और गहन गंभीर संस्कारों के चलते बाल्यावस्था का समग्र समय बहुत ही आसानी से गुजर जाता था। इसके ठीक विपरीत आज बच्चों के बचपन को समय के पहले ही खत्म किया जा रहा है। भावुकता का स्थान यांत्रिकता ने ले लिया है। यही कारण है कि परिवार और रक्त संबंधियों के बीच भी भाव भरे रिश्तों का नितांत अभाव देखा जा रहा है। छोटी-छोटी बात पर आपसी संबंधों में तुरंत कटुता पैदा हो जाती है। मनमाफिक काम न होने पर बच्चे से लेकर बड़े तक आपा खो देते हैं। जैसे-जैसे भौतिक सुखों और सुविधाओं का लाभ लोगों को मिलने लगा है, उसी अनुपात में आत्महत्याओं की संख्या का ग्राफ भी बढ़ा है। बाहरी चकाचौंध तो खूब दिखाई दे रही है, मगर मन के कोने में गहन अंधकार समाया हुआ है।वे दिन पता नहीं कहां गए, जब गांव में किसी के यहां शादी होती थी और खुशी सारा गांव मनाता था। पड़ोस में आए मेहमान के लिए सारी व्यवस्थाओं का भार पड़ोसी ही उठा लेते थे। जब बेटियां घर से विदा होती थीं, तो आसपास वाले की आंखें भी पनीली हो जाती थीं। आजकल जीवन तो आगे बढ़ रहा है, मगर जीवन मूल्यों में गिरावट का दौर लगातार जारी है। एक दूसरे का समय-समय पर सहयोग, दुख और सुख में खड़े रहने की भावना, रिश्तों को निभाने की प्रबल इच्छा और स्नेह की डोर भी अब टूटने लगी हैं, जिसका असर भावी पीढ़ी पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है।एक ऐसा भी समय भी रहा, जब सारे लोग मिलजुल कर हर छोटी-बड़ी समस्या का हल निकालने में एक दूसरे की मदद करते थे। बीमारी हो या कोई अचानक आ जाने वाली आपदा हो, कोई न कोई अवश्य खड़ा हुआ दिखाई देता था, लेकिन आजकल आदमी भीड़ से घिरा हुआ है, संपन्नता के सारे संसाधन मौजूद हैं, आधुनिकता का आकाश छूने को आतुर हैं, आभासी दुनिया में रात-दिन विचरण कर रहा है, मगर वास्तविकता में अत्यंत अकेला है। भावनात्मक और मानवीय गुणों से बहुत ही निर्धन हैं, इसलिए बहुत कम उम्र में ही बड़ी-बड़ी और जानलेवा बीमारियां सामने आने लगी हैं। जरा-सा तनाव सहन करने की भी सामर्थ्य नहीं है। सहनशीलता क्षीण हो चुकी है। जब से आर्थिक आधार को समाज में उच्चता का पैमाना बनाया गया है, तब से आपसी रिश्तों में एक प्रकार की तल्खी और नकारात्मक प्रतिद्वंदिता दिखाई देने लगी है। एक अंधी दौड़ शुरू हो चुकी है, जिसका कोई अंत नहीं है। इसका सबसे अधिक कुप्रभाव नजदीक के रिश्तों पर पड़ा है। यही कारण है कि आज पिता-पुत्र, भाई-भाई, चाचा-भतीजा के रिश्ते अत्यंत असहज और कुटिल अवधारणा से भरे हो गए हैं। आज जब रिश्तों को कलंकित करने वाली खबरें आती हैं, तब दिल बैठ जाता है। जमीन-जायदाद के लिए की आसमान छूती कीमतों ने भाई को भाई का दुश्मन बना दिया है। कोई भी तनिक भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। ये दिन अब बस यादों में हैं, जब बड़े के कपड़े पहन कर छोटा भाई अपनी स्कूल-कालेज की पढ़ाई पूरी कर लेते थे। परिवार में अपने दायित्व के साथ साथ छोटे भाई बहन के लिए पिता का फर्ज भी पूरा करता था। वहीं छोटे भाई भी सारी उम्र बड़े भाई के सम्मान में कोई कमी नहीं आने देते थे। कभी रिश्तों का बंधन एक दूसरे का संबल हुआ करता था। बड़ी से बड़ी विपत्ति को भी मिलकर परास्त किया जा सकता था। परिवार और समाज को इकट्ठा रहने और साथ में काम करने के लिए प्रेरित किए जाने का भाव भी अब दुर्बल होने लगा है। इसका असर चारों ओर दिखने लगा है। आज इस बात की भी आवश्यकता महसूस की जाने लगी है कि भारतीय जीवन मूल्यों को पुनर्स्थापित किया जाए, ताकि मनभेद की खाई को पाटा जा सके। बदलाव का स्वरूप सर्वत्र दिखाई देने लगा है, चाहे वैचारिक स्तर हो, रहन-सहन का ढंग हो, खाने पीने की बात हो या फिर तीज-त्योहार, शादी के आयोजन हों। सकारात्मक बदलावों का स्वागत किया जाना चाहिए, वहीं नकारात्मक और आडंबरयुक्त बदलावों का विरोध किया जाना चाहिए। आज बेहद खर्चीली शादियां अस्तित्व में आ चुकी हैं. खुले रूप में मदिरापान फैशन बन चुका है। वर्तमान में नैतिक मूल्यों का भी तीव्रता से क्षरण हुआ है, जो आए दिन की घटनाओं में देखा जा सकता है।

कांग्रेस के साथ गठबंधन कर केजरीवाल भारतीय राजनीति के सबसे बड़े पलटूराम बन गये

विश्वास ना हो तो जरा इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच गहरे तक समाये अविश्वास को देखिये। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद गुजरात, दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान किया गया। इंडिया गठबंधन के दो घटक दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। आम आदमी पार्टी दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ेगी मगर पंजाब में दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यह कुछ उसी तरह है जैसे बंगाल और त्रिपुरा में तो कांग्रेस और वामपंथी दल साथ-साथ चुनाव लड़ते हैं मगर केरल में एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंकते हैं। देखा जाये तो ऐसे गठबंधन किसी विचारधारा के मेल के चलते नहीं बल्कि सत्ता हासिल करने के खेल के चलते बनते हैं। इसलिए जनता को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि जो एक राज्य में एक दूसरे के खिलाफ हैं उनका दूसरे राज्य में एक मंच पर दिखना धोखे के समान है। जो एक राज्य में एक दूसरे की नीतियों के आलोचक हैं वह दूसरे राज्य में मिलकर कभी जनता का भला नहीं कर सकते। आप भारत में ही नहीं किसी भी देश का राजनीतिक इतिहास उठा कर देख लीजिये 'एक जगह लड़ाई और दूसरी जगह सगाई' का फॉर्मूला कभी चुनावी जीत भी हासिल नहीं कर पाया और जनता का भला भी नहीं कर पाया। ऐसे गठबंधन हमेशा सिर्फ चुनावों के समय बनते हैं और उसके बाद एक दूसरे पर आरोप लगा कर टूट जाते हैं। विश्वास ना हो तो जरा इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच गहरे तक समाये अविश्वास को देखिये।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद गुजरात, दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान किया गया। इस दौरान खास बात यह रही कि दोनों जगह गठबंधन का ऐलान बड़े नेताओं से नहीं बल्कि पार्टियों की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेताओं से कराया गया। यही नहीं, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान करने के लिए जो प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी उसका दोनों ही पार्टियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव प्रसारण भी नहीं किया जबकि दोनों ही पार्टियां हर छोटी-बड़ी प्रेस कांफ्रेंस का लाइव प्रसारण लिंक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करती हैं। देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होना भारतीय राजनीति का एक बड़ा और महत्वपूर्ण घटनाक्रम है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से पहले तक एक क्षेत्रीय दल थी। इस लिहाज से देखें तो यह एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय दल है जिसने कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को सर्वाधिक राजनीतिक नुकसान पहुँचाया।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5159

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5158

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

वर्ग पहेली 5159

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
8			■		■	9	
	■	■	10				■
11	12		■		■	13	14
15		■	16			■	
	■	17			■	18	
19		■		■	20		

संकेत: बाएं से दाएं

1. इस क्रांतिकारी को भगतसिंह के साथ फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
4. पृथ्वी के ऊपर की सतह (3)
6. कथन, दो या अधिक व्यक्तियों के बीच वार्तालाप (4)
8. अपना मतलब निकालने वाला, कुशल, चालाक (3)
9. किसी नगर या कस्बे में पहुंचने का प्रवेश स्थल (2)
10. किसी बड़े स्थान को घेरने के लिए लगाया गया तंबू (4)
11. तलाश करने के किया जाने वाला प्रयत्न (3)
13. बेटी के बेटे को यह कहते है (2)
15. शिकस्त, पराजय, माता का अपभ्रंश (2)
16. धूल आदि साफ करने के लिए उपयुक्त होने वाली वस्तु (3)
17. बुलावा, उपस्थित होने के लिए जोर से बुलाना (3)
18. स्त्री जाति का प्राणी (2)
19. सख्त होने का भाव (2)
20. आसान, सरल, सामान्य, साधारण (3)

ऊपर से नीचे

1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
2. उड़ान, धूल, गर्द (3)
3. ऋतु का अपभ्रंश (2)
4. बीता हुआ, अतीत, पिशाच, प्रेत (2)
5. छोटी लता को यह कहा जाता है (3)
7. मुख्यमंत्री (अंग्रेजी)(6)
9. अनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
12. पद प्रहार, ठोकर, पदाघात (2)
14. तीर से लक्ष्य को भेद करने वाला (4)
16. यह सेनेगल देश की राजधानी है, [illegible] (3)
18. तीस दिनों का समय, मास (2)

वर्ग पहेली 5158 का हल

व	छ	म	झ	ई	प	टे	ल
श्री	■	न	न	■	ह	ल	क
ध	म	क	■	की	ला	र	■
त	ला	■	त	कि	■	■	आ
ना	या	ब	■	त	ह	ना	ई
मा	■	द	म	■	म	ना	ना
■	आ	ल	म	आ	र	■	■
आ	ग	ना	■	न	ज	ट	ना

क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लगातार क्रांतिकारियों का देश बनाने के लिए संकल्पित देश का प्रथम संगठन मंदसौर भगवान पशुपति नाथ की धरा से संचालित 14 वर्षों से लगातार अपनी आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के लिए संकल्पित दशपुर जागृति संगठन द्वारा आजादी के महानायक महान क्रांतिकारी मध्यप्रदेश माटी के सपूत ग्राम भावरा से आजादी की क्रांति का शंखनाद करने वाले चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर मनाया।

आजाद ने अंग्रेजों को भारत से भगाने के लिए मजबूर कर दिया था उन्होंने कहा था कि मैं आजाद हूं आजाद रहूंगा। इस महानायक को आज ही के दिन देश के मुखबरी करने वाले संगठन के द्वारा अल्फ्रेड पार्क इलाहाबाद में अंग्रेजों के द्वारा गोली चलाई जाने के साथी तीन गोली चंद्रशेखर आजाद को लगी चौथी गोली अपने हाथों से चंद्रशेखर आजाद ने माटी को अपने मस्तक पर रगड़ते हुए नमन करते हुए कि मैं दोबारा मां तेरी सेवा करने के लिए पहुंचूंगा। ऐसे महान क्रांतिकारियों के लिए भारत के अंदर सार्वजनिक स्थलों के नाम किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में साध्वी उमा दीदी ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं इस संगठन की सदस्य बनकर राष्ट्र सेवा करने वालों के लिए कार्य कर सकूंगी और मैं संगठन से जुड़कर अपने देशभक्त सपनों को पूरा करूंगी। संगठन के संरक्षक रविंद्र पांडे ने कहा कि 1947 देश की आजादी के महानायकों को याद करने के लिए इस संगठन को पहचाना जाता है। आज मंदसौर को क्रांतिकारी नगरी के नाम से पहचान मिली है यह हमारे लिए गर्व का विषय है। संगठन के श्री शर्मा द्वारा क्रांतिकारी कविता गाते हुए संगठन एवं चंद्रशेखर आजाद के प्रति अपनी सच्ची पुष्पांजलि अर्पित करी। संगठन के कोषाध्यक्ष आरसी पांडे द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि हम अपनी कमाई से संगठन संचालित करते हैं और हम विश्वास दिलाते हैं की क्रांतिकारी का देश बनकर ही हम दम लेंगे इसके लिए भ्रष्टाचारियों को जब तक जेल में नहीं डाला जाता हम अपना आंदोलन इसी प्रकार तेज करेंगे।

संगठन के परामर्शदाता अजीजुल्ला खान खालिद ने कहा लगातार संगठन की गतिविधि तेज की जा रही हैं और यह भी हमें देखने में आता है की देशभक्ति की विचारधाराओं का अब बहुत जल्दी से फैलाव होता जा रहा है। राष्ट्र मजबूत भी बनेगा सशक्त भी बनेगा। अपराधियों को जेल में डालने के साथी भ्रष्टाचारियों को भी जेल की हवा खिलाई जाएगी। संगठन के संयोजक सत्येंद्र सिंह सोम ने कहा हम केवल प्रतिमाओं की बात नहीं करते हम तो क्रांतिकारियों का देश बनाने के लिए ही एकत्रित होते हैं और हमें यही दुख है कि सदन के अंदर और विधानसभाओं के अंदर जो देश का नेतृत्व कर रहे हैं उनकी संपत्तियों की जांच जब तक नहीं की जाती दूध का दूध पानी का पानी नहीं किया जाता तब तक क्रांतिकारियों की आत्माओं को शांति नहीं मिलेगी क्योंकि देश का सैनिक, देश का किसान और देश के क्रांतिकारी इनका देश अमीर गरीब की खाई मिटाने वाला देश होना चाहिए इसके लिए राष्ट्रभक्ति का जागरण अवश्य होना चाहिए। संगठन की सीमा चौरडिया ने कहा कि मातृशक्ति को बाहर आकर कार्य करने का समय है अपने बच्चों को देशभक्ती नहीं सिखाएंगे तो यह विश्वास रखे की आने वाला समय बहुत खतरनाक है इससे कोई भी अछूता नहीं बचा है। फिल्म इंडस्ट्री अपना जहर उगल रही है वातावरण बहुत दूषित हो चुका है नशा शराब चारों तरफ फैल चुका है। बच्चों को बचाना बहुत मुश्किल है। संगठन के वरिष्ठबी एस सिसोदिया ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। महेश शर्मा द्वारा आजाद पर कविता पाठ किया गया। अरुण गौड़, विकास बसेर द्वारा भी देशभक्ति नारे लगाए गए और आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। संगठन के नवीन सदस्य देशमुख एवं उमा दीदी द्वारा संगठन की सदस्य ली गई इसकी विधि और सदस्यता से भी दिलाई जाएगी। संगठन के बलराम द्वारा संगठन की नवीन सदस्यों को अभियान को इस देशभक्त संगठन जोड़ने के लिए आजाद का देश बनाने का संकल्प दिलाया जाएगा। शीघ्र वृहत कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा बनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में नगर पालिका ने अपने विशेष सहयोग प्रदान करते हुए प्रतिमा स्थल की सफाई माल्यार्पण में विशेष योगदान दिया उसके लिए संगठन नगर पालिका का आभार माना। यह जानकारी संगठन मीडिया प्रभारी बलराम दरिंग ने दी।

अपर कलेक्टर सुश्री मीना एवं सीईओ गुरूप्रसाद ने की जनसुनवाई

नीमच, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सभी जिला अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण करें। यह निर्देश अपर कलेक्टर सुश्री नेहा मीना एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, सुश्री प्रीति संघवी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आजनां सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में 72 लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। अठाना की कलाबाई ने कृषि भूमि से कब्जा हटवाने, धामनिया के कालबेलिया योगीनाथ समाज जनों ने मुक्तिधाम शमशान के लिए जमीन दिलाने, रामपुरा के सुनील ने निजी स्वामित्व के प्लाट व रास्ते का सीमांकन करवाने, मांगरोल के बापूसिह सौंधिया ने प्रधानमंत्री आवास के लिए अनुदान दिलाने, पिपलिया व्यास के मदनलाल बंजारा ने खेत पर आने जाने का रास्ताए खुलवाने, कुम्हारा गली नीमच कंेट के इकराम ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने, रामपुरा नगर की सपना ने वर्षो पुरानी कब्जे की जमीन पर बनी दिवार गिराने एवं तोडफोड करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, डूंगलावदा की संगीता दमामी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, संबंधी आवेदन प्रस्तु त किया।

जनसुनवाई में जाजूंज नीमच के सलीम खान हैदर, भोई मोहल्ला रामपुरा की ज्यो ति, नीमच सिटी के शौकीनलाल, धनेरिया कलां के कैलाशचंद्र लोधा, खेडी मोहल्लाल नीमच सिटी के राजेश जैन, रतनगढ की रेखा राठौर, चुकनी के अर्जुन शर्मा, बघाना के वसीम खान, धनेरियाकलां की श्याामाबाई मीणा, सरवानिया महाराज के शिवनाथ, रामकन्याखबाई, कुण्डेला के मदन, सुवाखेडा की दाखीबाई, भाटखेडी के यशवन्त सिह, पिपल्याहाडी के मनोहरलाल, मनासा के रामलाल आदि ने भी जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याखएं सुनाई। एडीएम ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों, समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण कर संबंधित को अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

आनलाइन आवेदन 5 मार्च तक करें

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मिशन संचालक एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने बताया कि प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों के स्थानांतरण हेतु व्यवस्था की गयी है। आवेदन विभागीय वेबसाईट hrmis.nhmmp.gov.inपर 5 मार्च शाम 5 बजे तक ऑनलाईन किए जा सकते हैं। स्थानांतरण हेतु इच्छुक संविदा कर्मचारी उक्त अवधि में अपने आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है।

नया गुजराती लोहार समाज का चौथा नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

40 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, 10 हजार स्वजाति बंधु हुए सम्मिलित

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नया गुजराती लोहार समाज का चौथा नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन भगवान पशुपतिनाथ की नगरी चंद्रपुरा मंदसौर में सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 40 जोडे विवाह परिणय सूत्र में बंधे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश राजस्थान के लगभग 10 हजार स्वजाति बंधु सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भानपुरा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य जी महाराज ज्ञानानंद जी तीर्थ विशेष अतिथि श्री 1008 श्री रामकिशोर जी महाराज तीन छत्री बालाजी ने पधारकर नव दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सुराणा, क्षेत्रीय पार्षद श्री शैलेंद्रगिरी गोस्वामी, श्री अनिल पांडे एडवोकेट सीतामऊ नया गुजराती लोहार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामचंद्र लोहार, पूर्व अध्यक्ष श्री शिवलाल लोहार दलौदा, पूर्व अध्यक्ष श्री मोहनलाल बेडावन्या, संरक्षक श्री शालिग्राम लोहार उज्जैन ने उपस्थित होकर नवविवाहित दंपति को आशीर्वाद दिया एवं नया गुजराती लोहार के द्वारा आयोजित इस विशाल एतिहासिक सामूहिक विवाह सम्मेलन की सभी ने प्रशंसा की। नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सुरेंद्र चौहान बंदूक वाले, नया गुजराती लोहार समाज धर्मशाला निर्माण समिति के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश लोहार, नया गुजराती लोहार समाज के जिला अध्यक्ष श्री मोहनलाल चौहान, आयोजन प्रभारी श्री परमानंद, लोहार जिला समिति के सचिव श्री रतनलाल चौहान, कोषाध्यक्ष किशोर लोहार सम्मेलन के सचिवजी श्री रमेशचंद्र लोहार गागसी, उपाध्यक्ष भगतराम लोहार दलोदा, श्री रमेशचंद्र लोहार सीतामऊ, श्री सत्यनारायण लोहार खानपुरा, मदनलाल लोहार पिपलोदा, जिला सह सचिव अनिल चौहान, सह कोषाध्यक्ष जगदीश लोहार, सम्मेलन कोषाध्यक्ष श्याम लोहार दलौदा, सह कोषाध्यक्ष श्याम लोहार साबाखेडा, सह सचिव रतनलाल लोहार दलौदा और जिला समिति एवं निशुल्क सामूहिक विवाह समिति के सदस्यों द्वारा अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। सर्व समाज प्रतिनिधि एवं समरसता मंच के पदाधिकारी द्वारा नया गुजराती लोहार समाज जिला समिति का स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमेशचंद्र लोहार गागसी, रतनलाल चौहान मंदसौर और दीपक पंवार धार ने किया। आभार आयोजन प्रभारी श्री परमानंद लोहार दलोदा ने माना। यह जानकारी सम्मेलन के मीडिया प्रभारी श्री भंवरलाल लोहार द्वारा दी गई।

गायत्री परिवार व वर्क संस्था ने की शिवना के घाटों की सफाई

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार एवं वर्क संस्था ने दो घण्टे घाटों की सफाई व शिवना शुद्धिकरण कार्य किया। श्रमदान के दौरान शिवना से गंदे कपड़े व जल कुंभी निकाली। जिसको इकट्ठा कर नगरपालिका को अवगत कराया। शिवना का पानी बहुत अधिक गंदा हो चुका है। आने वाले समय में वहां इस गंदे पानी में स्नान करना तो क्या वहां खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाएगा। वर्षा से शिवना मे नालों का गंदा पानी मिल रहा है। जिसकी जानकारी शासन प्रशासन को होने के बावजूद कोई पुख्ता कदम नहीं उठाये जा रहे है। श्रमदानी हर्ष शर्मा ने कहा कि आज हम शिवना के पानी में गंदगी मिलने से नहीं रोकी तो आने वाले समय में गंदा पानी पीना पड़ेगा जिससे बीमारी तेजी से फैलेगी। रमेश सोनी ने कहा कि हम काफी समय से शिवना शुद्धिकरण चला रहे है। शासन यहां गंदा पानी मिलने से रोक नहीं पा रहा है। न तो घाटों पर होर्डिंग लगाने का कार्य नपा कर रही है ना ही गंदगी करने वाले को रोक पा रही है। आपने कहा कि गायत्री परिवार के श्रमदानी अपना अमूल्य समय निकालकर श्रमदान का अभियान चला रखा है तो शासन को भी इसमें सहयोग करना चाहिये। जल ही जीवन है, जल का उपयोग समझे और पानी को गंदा न करे न करने दे।

जाफर हुसैन ने जल अभियान व पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम गायत्री परिवार से जुड़कर इस अभियान को आगे बढ़ा रह है। लेकिन पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या पर सरकार का ध्यान नहीं दे रही है। पानी, स्वच्छता, पर्यावरण जो मानव के लिये अत्यंत जरूरी है। सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को अपना दो घण्टे इस पुण्य कार्य में अवश्य देना चाहिये। योगेश सिंह सोम ने कहा कि गायत्री परिवार का यह अभियान 2026 तक चलेगा। हमारी सरकार, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं को भी इस जन अभियान से जुड़ना चाहिये। पृथ्वी को गंदा करने का कार्य नहीं करे। पानी बचाओ अभियान से जुड़े। अगला श्रमदान रविवार को प्रात: 9 से 11 बजे तक शिवना नदी में घाटों की सफाई कर किया जाएगा। सभी सामाजिक व धार्मिक संस्था से निवेदन है कि, श्रमदान में भाग लेकर पुण्य प्राप्त करे। गायत्री परिवार मंदसौर मानव मात्र एक समान, एक पिता की सब संतान, हम बदलेंगे तो युग बदलेगा के संकल्प के साथ का कार्य कर रही है। श्रमदान में रमेश सोनी, हर्ष शर्मा, योगेशसिंह सोम, शारदा शर्मा, जाफर हुसैन, बंटी आदि ने भाग लिया।

भारतीय ज्ञान परंपरा के विषयों पर कार्यशाला का आयोजन

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उमा गगरानी ने बताया की आज दिनांक 27.02.24 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत 'भारतीय ज्ञान परंपरा' के विविध विषयों पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन का सीधा प्रसारण किया गया।

कार्यशाला का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश एवं मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय सरोजनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल में दिनांक 27 एवं 28 फ़रवरी 2024 को किया जा रहा हैं उक्त कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर श्री अशोक कडेल, संचालक,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी; डॉ. अतुल कोठारी जी, सचिव, शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली; श्री इंदर सिंह परमार जी, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन; श्री मोहन यादव जी, माननीय मुख्यमंत्रीजी मध्यप्रदेश शासन एवं श्री मंगू भाई पटेल जी, राज्यपाल, मध्य प्रदेश ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपने विचार रखे एवं शिक्षा में इसे कैसे और बढ़ावा मिले इस पर अपने सुझाव व्यक्त कियें कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न विषयों के विषय विशेषज्ञों से आग्रह किया की इस कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा पद्धति में उपयुक्त स्थान देने पर विचार करें। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उमा गगरानी, डॉ. पी एल पाटीदार सहित अन्य प्राध्यापक, ग्रंथपाल, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थें सीधे प्रसारण के लिए तकनीकि सहयोग श्री कांतिलाल कुमावत ने दिया।

सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 12 को

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत मंदसौर की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक 12 मार्च को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

समरसता के आध्यात्मिक उपासक संत रविदास...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक संत शिरोमणि रविदास जी का जीवन संघर्षों और चुनौतियों की महागाथा हे। जन्हा उन्हे जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त पग पग पर प्रताड़ना, यातना, तिरस्कार, उपेक्षा और हेय दृष्टिका व्यवहार अनुभूत हुआ। शूद्र होने के कारण विभिन्न प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक निर्योग्यताओ से संघर्ष करते हुए संत रविदास जी ने मानवीय गरिमा को सही अर्थो में समझा और अस्पृश्य समाज को समझाते हुए कहा की तुम हिंदू जाति के अभिन्न अंग हो तुम्हे शोषित और पीड़ित जीवन जीने की अपेक्षा मानवाधिकारों के लिए संघर्षरत रहना चाहिए। संत रविदास जी का जन्म भारत में जिस काल में हुआ उस समय समाज का स्वरुप अत्यंत अशांत और संघर्षमय था। समाज चेतना शून्य स्थिति में था। छोटी छोटी रियासतो में विभक्त भारतीय रियासते मिथ्या दंभ और अभिमान में एक दूसरे से युद्ध कर रही थी। जर्जर सामाजिक ढांचा रूढ़ियों, प्रथाओ, अंधविश्वासो, मिथ्या आचरणो, आडंबरो और पाखंडो से सरोबार था। छुआछूत और अस्पृश्यता के ओचित्यहीन अभिशाप का टीका समाज के माथे पर अदृश्य तथा अमिट स्याही से लगाया गया था जंहा आपसी वर्गभेद, जातिभेद, सामाजिक अन्याय और संघर्ष की पराकाष्ठा समाज की सेहत को प्रदूषित कर रही थी। ऐसी विषम स्थिति में प्रबुद्ध संत समाज द्वारा पुनर्जागरण का सजीव आंदोलन प्रारंभ हुआ जिसमे संत रविदास जी का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान हे। तथापि उनके समग्र आध्यात्मिक अवदान का अभी भी सही मूल्यांकन नही हो सका हे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व बहुत विराट और चमत्कारिक घटनाओ से परिपूर्ण था। उन्होंने समाज की वेदना, पीड़ा और मर्म को समझा और उसके व्यवहारिक समाधान जन भाषा में प्रतिपादित किए। संत रविदास जी कहते हे की अंतर्मन की पवित्रता ही सच्ची ईश्वर भक्ति हे। इसके लिए व्यक्ति धार्मिक कर्मकांड के स्थान पर विनम्र होकर निरंतर कर्म करता रहे। उनकी वाणी में लोक कल्याण का स्वर प्रमुखता से व्यक्त हुआ। दीनता और विनम्रता की साक्षात प्रतिमूर्ति संत रविदास जी की आध्यात्मिक चेतना सबका मंगल, सदा मंगल और मंगल ही मंगल का उदघोष करती हे जो मनुष्य को जन्म से नही वरन सत्कर्म और आध्यात्मिक उपलब्धियों से बड़ा मानती हे। संत रविदास जी ने समाज की प्रगति और समरसता को अवरूद्ध करने वाली अस्पृश्यता की विकृति जिसका कोई धार्मिक आधार नही हे का विनम्रता पूर्वक विरोध कर समतावादी समाज की स्थापना पर बल दिया जन्हा किसी प्रकार की सांप्रदायिक विद्वेष की भावना न हो। सामाजिक अवगुणो के व्यवहारिक समाधान का मार्ग दिखाते हुए उन्होने कभी किसी सम्प्रदाय का विरोध नही किया वरन उनकी अंतरात्मा को जाग्रत कर पारस्परिक सदभाव और बंधुता का संदेश दिया जो आज भी प्रेरक और प्रासंगिक हे। वर्तमान परिपेक्ष्य में पड़े लिखे सभ्य समाज की यह विडंबना हे की आज भी दलितो के प्रति शोषण, अन्याय, अनाचार, प्रताड़ना आदि की हृदय विदारक घटनाएं पूरी तरह से समाप्त नही हो पाई हे। कहने को हमारा देश अनेक धर्माचार्यो, संतो और महात्माओ का देश हे जन्हा पेड़ पोधो, पशु पक्षी, जीव जंतु यहा तक की पत्थरो की भी पूजा की जाती हे किंतु यह केसा विरोधाभास हे की मानव को मानव छुने से अपवित्र और अस्पृश्य हो जाता हे। आज इस बात की महती आवश्यकता हे की समाज धार्मिक और राजनीतिक हथकंडो से अपने आप को बचाए।

गौरव सोनी, मंदसौर

सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो-राजन

आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में उपजिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

नीमच, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने सोमवार को आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर उपजिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक रिटर्निग अधिकारियों के द्वितीय चरण के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह पांच दिन तक चलेगा। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकरी श्री राजन ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को संबोधित किया।

श्री राजन ने कहा, कि निर्वाचन के कार्य को सभी अधिकारी गंभीरता के लें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। लोकसभा निर्वाचन 2024 केसंबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे जाने वाले सभी दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध हो और एक परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर हो सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें।मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करें। यदि किसी मतदान केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाताओं की संख्या है, तो सहायक मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव भेजें। उन्होंने सभी अधिकारियों को मतदान केंद्रों पर बैठक व्यवस्था, बिजली, शौचालय, पीने का पीने और रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लंबित आवेदनों का जल्द निराकरण करें:- सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा, कि कोई भी प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए। नाम जोड़ने, हाटने और संशोधन के लिए प्राप्त हुए आवेदनों का जल्द से जल्द निराकरण करने और मतदाता सूची से दोहरी प्रवृष्टि, समान फोटो वाले मतदाताओं की जांच करने के निर्देश दिए।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों में तेजी लाएं:- श्री राजन ने कहा, कि प्रदेश में ऐसे कई मतदान केंद्र हैं, जहां पर पिछले लोकसभा निर्वाचन-2019 में मतदान का प्रतिशत कम था। ऐसे क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूक करें।स्वीप गतिविधियों में तेजी लाएं। इसके साथ ही वल्नरेबिलिटी मैपिंग की कार्यवाही भी पूर्ण करें। श्री राजन ने कहा, कि कुछ जिलों में जेंडर रेशियो के अनुपात में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या कम है, उन जिलों में महिला मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु अभियान चलाएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा, ऊषा सहित शासकीय विभाग में कार्यरत महिला अधिकारियों-कर्मचारियों की मदद लें। 8 फरवरी को प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया अभी चल रही है, ऐसे में जिन मतदाताओं का नाम छूट गया है,या जिनकी उम्र एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष से अधिक हो गई है,वे अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन की सुविधा प्रदान की गई है। कोई भी नागरिक Voter Helpline App Am¡a voters.eci.gov.in इन वेबसाइट पर जाकर अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेशसिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व नेशनल मास्टर ट्रेनर श्री प्रमोद कुमार शुक्ला, एनएलएमटी झारखंड सुश्री गीता चौबे, छत्तीसगढ़ श्री प्रनवसिंह, श्री प्रवास जैन मप्र, हरियाणा श्री विशाल, उज्जैन श्री गजेंद्र उज्जैनकर उपस्थित रहे।

स्वीव गतिविधियों के संबंध में वी.सी.सम्पंन्न-आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में चुनाव पर्व देश का पर्व थीम पर आधारित मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय भोपाल व्दाकरा वीडियों कांफ्रेसिंग के जरिए मतदाता जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस वीडियों कांफ्रेसिंग में राज्यं स्तारीय मास्टिर ट्रेनर्स व्द्रा पावर प्रजेन्टेथशन के माध्य म से आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर विभिन्नि विभागों व्दारा की जाने वाली स्वीनप गतिविधियों की विस्तााार से जानकारी दी गई। वीडियों कांफ्रेसिंग में नीमच से जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्तज कलेक्टडर श्री राजेश शाह, सभी सीएमओ एवं अन्यश स्वीप पार्टनर विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला....

मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का निर्णय

नीमच, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला में विक्रय होने वाले गैर-परिवहन यानि मोटरसाइकिल, मोटरकार, निजी उपयोग के लिये ओमनी बस और हल्के परिवहन यानों पर देय जीवनकाल मोटरयान कर की दर पर 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का राज्य शासन ने निर्णय लिया है। उक्ताश्य के आदेश का प्रकाशन मध्यप्रदेश राजपत्र 23 फरवरी 2024 में कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने उज्जैन में होने वाले विक्रम व्यापार मेला में वाहनों के विक्रय पर कर में छूट की घोषणा की थी।

मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1991 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। यह छूट ऐसे गैर-परिवहन यानों जैसे मोटरसाइकिल, मोटर कार, निजी उपयोग के लिये ओमनी बस और हल्के परिवहन यानों को जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50% की छूट प्रदान की जाएगी, जिनका कि वर्ष 2024 में उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला की कालावधि के दौरान विक्रय किया जाएगा। यह छूट केवल वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन में स्थाई पंजीयन कराने पर ही प्रदान की जाएगी। यह भी गौरतलब है, कि उज्जैन के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसाइयों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा उज्जैन में मेला प्रांगण में अपनी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के उपरांत ही वाहन विक्रय करने की अनुमति होगी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	50	2180	2301
उडद	000.	000	000
सोयाबीन	2994	3900	4560
गैहु	5200	2150	3000
चना	800	4800	5520
मसुर	500	4740	5526
धनिया	819	5000	6500
लहसुन	23000	5000	14200
मैथी	397	4499	6000
अलसी	607	4200	5200
सरसो	3000	4201	4741
तारामीरा	5	4506	4639
इसबगोल	0000	0000	0000
प्याज	600	721	1645
कलोंजी	2	12400	15760
डॉलर	4	9602	10101
तिल्ली	0000	0000	0000
मटरसुखी	1	2450	2450
असालीया	285	5750	7374

मेडिकल स्टोर्स पर नहीं होती कभी जांच पड़ताल, ड्रग विभाग उदासीन

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में किराना दुकान या होटलों की जांच पड़ताल और निरीक्षण की खबरें रोजाना आ रही है। लेकिन, कभी मेडिकल स्टोर्स की जांच पड़ताल या निरीक्षण के बारे में खबर नहीं आती। जिसकी जिम्मेदारी औषधि विभाग की है। जहां ड्रग इंस्पेक्टर को कार्रवाई का अधिकार है। शहर सहित अंचल में नियमों को ताक पर रखकर मेडिकल स्टोर्स संचालित हो रहे हैं। लेकिन, ड्रग विभाग पूरी तरह उदासीन है।

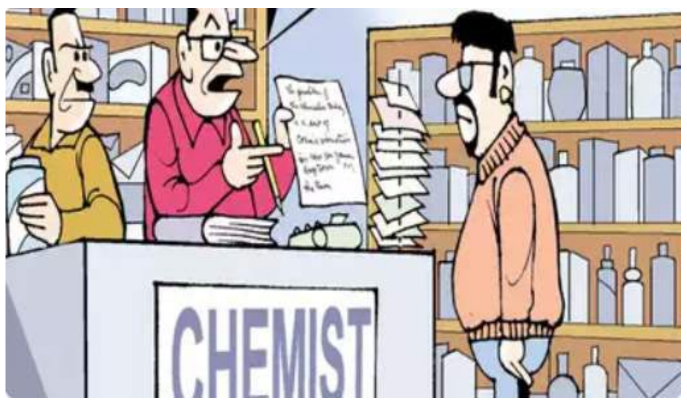

शहर सहित जिले के अधिकांश मेडिकल स्टोर बगैर फार्मासिस्ट के ही संचालित किए जा रहे हैं। कई मेडिकल स्टोर तो ऐसे हैं, जिन्होंने अपने यहां फार्मासिस्ट की नियुक्ति तो दिखा रखी है। लेकिन, वह कभी मौजूद नहीं मिलते हैं इस प्रकार कई मेडिकल स्टोर पर अप्रशिक्षित लोग ही दवाएं देते हैं। ऐसे में डाक्टर के द्वारा पर्चे पर लिखित दवा मरीज को सही नहीं मिल पाती। वहीं कई ऐसे हैं, जिन्होंने मेडिकल स्टोर को ही अपना क्लीनिक बना रखा है। ऐसे मेडिकल स्टोर मरीज की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिना फार्मासिस्ट के ही मेडिकल स्टोर संचालन की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को लंबे समय से है, फिर भी सब जानते हुए भी उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं। शहर सहित अंचल में दर्जनों मेडिकल स्टोर्स हैं। कहने को तो मेडिकल स्टोर्स के संचालन के लिए डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के आधार पर लाइसेंस जारी किए जाते हैं। लेकिन, हकीकत इससे परे है। नगर के कुछ मेडिकल व्यवसायी नियमों को ताक में रखते हुए मेडिकल दुकानों का संचालन कर रहे हैं। बिना फार्मासिस्ट व जरुरी दस्तावेज के मेडिकल दुकान का व्यवसाय किया जा रहा है। मेडिकल की आड़ में यहां अवैध रूप से लोगों का इलाज किया जा रहा है। वहीं कई मेडिकलों में अपात्र व्यक्तियों को मेडिकल दुकान संभालने की जिम्मेदारी दे दी गई है। जिसे दवाइयों की जानकारी तक नहीं रहती है। इन मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ न तो ड्रग इंस्पेक्टर कोई कार्रवाई करते हैं और ना ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी।

नगर के कुछ मेडिकल स्टोर दूसरे के नाम के सर्टिफिकेट द्वारा जारी लाइसेंस से संचालित हो रहे हैं। मासिक या सालाना के आधार पर लाइसेंस के लिए लेन-देन होता है। पांच से दस हजार रुपए महीने में लाइसेंस उपलब्ध हो जाता है। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्रों की माने तो नियमों की यहां धज्जियां उड़ाई जा रही है।

कच्चे बिल पर देते हैं दवाएं...

अधिकांश मेडिकल स्टोर्स संचालक दवाएं देने पर ग्राहकों को उसका बिल नहीं देते हैं। मेडिकल स्टोर में दवाएं भी विक्रेता का मुंह देखकर दी जाती है। कई बार ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों को कंपनी की दवाओं को छोड़कर उसी फार्मूले की लोकल दवाइयां थमा दी जाती है। इससे मेडिकल संचालकों को अच्छी बचत होती है। सूत्रों की माने तो बिल देने के एवज में मेडिकल संचालकों को दवा कंपनी का नाम भी उल्लेखित करना पड़ता है। इसी वजह से बिल देने से बचते नजर आते हैं।

जनसुनवाई में 54 आवेदन आए

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सुशासन भवन सभाकक्ष में ग्रामीण जनों की समस्याएं सुनी प्रति मंगलवार की तरह जिला कलेक्ट्रेट (सुशासन भवन) में साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जिले भर से आए 54 आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपनी समस्या/ शिकायत/ मांग/ आर्थिक सहायता संबंधी आवेदन दिये। जनसुनवाई में दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी आवेदकों से आवेदन पत्र प्राप्त कर उन पर समुचित कार्यवाही के लिये विभाग प्रमुखों को ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। जिनके निवारण हेतु संबंधित विभागाधिकारियों को निर्देश दिये।

बीस सीटर विमानों से जुड़ेंगे छोटे नगर

कम किराए में हो सकेगा सफर

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में अब छोटे नगरों के लोग भी अब 20 सीटर विमानों में सफर कर लंबी दूरी जल्द तय कर सकेंगे। राज्य के छोटे नगरों और पर्यटन केन्द्रों पर भी हवाई सेवाएं शुरु की जा रहीं हैं। इसके तहत 20 सीटर विमान चलाए जाएंगे। राज्य केबिनेट ने प्रदेश के पर्यटन विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

सरकार के नियमों के अनुसार छोटी उड़ानों के लिए अनुदान मिलता है, जिससे विमानन कंपनियों के साथ ही यात्रियों को भी कम किराए के रूप में खासा लाभ होता है। हालांकि इस सेवा में कुछ दिक्कतें भी सामने आ सकती हैं। छोटे शहरों में बारिश या कोहरा होने पर लेंडिंग में समस्या आ सकती है। इसके साथ ही इन जगहों पर अभी रात को सेवा नहीं दी जा सकेगी। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया गया है। जिन शहरों या टूरिस्ट प्लेस में हवाई सफर शुरु किया जाएगा, उन पर अभी अंतिम मुहर नहीं लगी है। निजी विमानन कंपनियों से इसके लिए प्रस्ताव बुलाए जाएंगे।

इससे पहले इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को नए और छोटे नगरों को जोड़ने की पहल की जा चुकी है। यहां से राजस्थान के किशनगढ़, कर्नाटक के बेलगाव और महाराष्ट्र के गोंदिया के लिए उड़ान शुरु की गई थी। केंद्र सरकार की आरसीएस योजना के तहत इस एयरपोर्ट से अब अन्य छोटे नगरों को भी हेलीकाप्टरों से जोड़ने पर काम चल रहा है। आम नागरिकों के लिए हवाई सफर उपलब्ध कराने के लिए यह सेवा शुरु की जा रही है। इससे जहां यात्री कम समय में अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे वहीं इसके लिए उन्हें बड़े विमानों की अपेक्षा कम किराया देना होगा। हेलीकाप्टर योजना पर इंदौर एयरपोर्ट तेजी से काम कर रहा है। इंदौर से उज्जैन, महेश्वर, मांडव आदि के लिए हेलीकाप्टर शुरू करने की योजना है।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनियमितता और हितग्राहियों के भुगतान को लेकर...

विधायक प्रतिनिधि व सभापतियों को नहीं मिली जानकारी

सुवासरा, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनियमितता और हितग्राहियों के भुगतान को लेकर विधायक प्रतिनिधि और सभापतियो ने सोमवार को परिषद से जानकारी नही मिलने पर सुबह से रात तक परिषद कार्यालय में घूमते रहे। मंगलवार को सी एम ओ संजय सिंह राठौर ने परिषद कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर पूरे मामले की जानकारी दी। सी एम ओ राठौर ने वार्ता के दौरान बताया की शासन के निर्देशानुसार कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल की प्रशिक्षण कंपनी के द्वारा परिषद के माध्यम से विधानसभा के 1000 हितग्राहियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया गया। और इस दौरान प्रति हितग्राही को 500 रुपए के हिसाब से 5लाख रूपए का भुगतान प्रशिक्षण देने वाली कंपनी द्वारा दिया गया। परिषद ने 3323 प्रति हितग्राही के हिसाब से 3323000 का भुगतान परिषद ने संबंधित प्रशिक्षण देने वाली कंपनी को दिया। इस तरह से अन्य खर्च मिलाकर लगभग 58 लाख का भुगतान परिषद ने प्रशिक्षण देने वाली कंपनी को कर दिया।उपस्थित मीडिया कर्मियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के फोटो टीवी स्क्रीन पर दिखाते हुए सी एम ओ ने कहा विधायक प्रतिनिधि ने हमारे ऊपर झूठे आरोप लगाए हे। में सोमवार को विधायक के साथ शासकीय कार्यक्रम में सीतामऊ था। इसलिए उपस्थित नही हो सका। हमारी छवि खराब हुई हे।जिसका जवाब हम वैधानिक कार्यवाही के द्वारा देंगे। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि संदीप वर्मा, पार्षद रोडमल दायमा , राकेश सोनी, पार्षद प्रतिनिधि प्रकाश जायसवाल, रामसिंह मेहर , सत्यनारायण देवड़ा भी मौजूद थे। जब विधायक प्रतिनिधि संदीप वर्मा ने टीवी स्क्रीन पर दिखाए जा रहे प्रशिक्षण में मौजूद हितग्राहियों अधिकांश फोटो में एक जैसे ही हितग्राहियों के दिखने पर सी एम ओ से पूछा तो सी एम ओ कोई जवाब नही दे पाए।

इतना ही नहीं पत्रकारों ने जब संबंधित प्रशिक्षण एजेंसी के डायरेक्टर का मोबाइल नंबर सी एम ओ से पूछा तो उन्होंने कहा मेरे पास नंबर नही में योजना शाखा प्रभारी मोनिका मेहता से पूछकर बताता हूं। इधर मोनिका मेहता से दूरभाष पर इस बारे में बात की गई तो मैडम का कहना था साहब(सी एम ओ)को सब पता है आप उनसे पूछिए। इस तरह से दोनो ने एक दूसरे के पास जानकारी होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया। प्रेस वार्ता के दौरान सी एम ओ ने घुमक्कड़ अर्ध घुमक्कड़ जातियों के1000 हितग्राहियों की सूची मीडिया के सामने रखी। सूची में कई नाम तो एक ही परिवार के देखे गए। विधायक प्रतिनिधि संदीप वर्मा ने प्रेस वार्ता के बाद बताया की सी एम ओ ने जो फोटो दिखाए उसमे कुछ लोग दूसरे समाज के भी है जो इस योजना में पात्र नहीं हे। जानकारी में भी स्पष्टता नही हे। मेरे पास सभी की लिस्ट आ गई है । शीघ्र ही अवलोकन कर आगे की कार्यवाही करूंगा। प्रेस वार्ता के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सविता परिहार चुपचाप देखती रही। प्रेस वार्ता के बाद अध्यक्ष ने कहा हमे अपने अधिकारी पर पूरा भरोसा हे। उन्होंने नियमानुसार ही शासन की प्रक्रिया के हिसाब से कार्य किया है।

पूजा पाठ करके गहने दुगुने करने के नाम पर वृद्धा के साथ लाखों की ठगी, पुलिस जांच में जुटी

रतलाम, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावरा में एक ठगोरी महिला ने पूजा पाठ करके गहने डबल करने के नाम पर पिपलौदा रोड निवासी सत्तर वर्षीय वृद्धा के लाखों रुपए का चूना लगा दिया। ठग महिला ने पन्द्रह दिनों के भीतर करीब बीस तोले वजनी सोने के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। जावरा की औद्योगिक क्षेत्र पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार,जावरा के पिपलौदा रोड स्थित अम्बिका धामेडी हाउस निवासी भेरुलाल पाटीदार 71 की पत्नी श्रीमती संपत बाई आमतौर पर दिन में घर में अकेली रहती है। शांताबाई नामक एक महिला ने संपत बाई को अपनी बातों के जाल में उलझाया और पूजा पाठ करके संपत बाई को गहने दुगुने करने का लालच दिखाया। संपत बाई,ठगोरी शांताबाई की बातों में आ गई और पूजा पाठ करके गहने दुगुने करवाने के लिए तैयार हो गई। आरोपी शांताबाई 7 फरवरी से 23 फरवरी के दौरान कई बार दोपहर के समय संपतबाई के घर आई और इस दौरान हर बार वह नगद रुपए या गहने लेकर जाने लगी। करीब पन्द्रह दिनों के भीतर वह संपत बाई से करीब एक लाख रु. नगद और बीस तोले सोने के गहने ले गई। इस तरह उसने संपतबाई को लगभग चौदह लाख रु. का चूना लगा दिया। बाद में जब संपत बाई के पति भेरुलाल पाटीदार को इस बात की जानकारी मिली उन्होने पुलिस के पास पंहुच कर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा पर अज्ञात शांताबाई नामक महिला के खिलाफ धोखाधडी का प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम ने बताया कि पुलिस पूरी तत्परता से मामले को सुलझाने में जुटी है और आरोपी महिला को जल्दी ही तलाश कर लिया जाएगा। उन्होने बताया कि पुलिस इलाके के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। जल्दी ही ठग महिला की जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

पीएम स्वनिधि योजना में 11 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को पहुंचाई आर्थिक मदद

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में पीएम स्वानिधि योजना के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में व्यापार करने वाले पथ विक्रेताओं को राज्य सरकार के नगरीय विकास विभाग द्वारा ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। योजना के माध्यम से अब तक 11 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को कार्यशील पूंजी के रूप में 1588 करोड़ रूपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। इन पथ विक्रेताओं ने सरकार से प्राप्त राशि से अपने व्यापार को और बेहतर किया है। राज्य में चयनित पथ विक्रेताओं को उनकी जरूरत के मुताबित 3 चरणों में ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को देश में इस योजना में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

अधिक से अधिक पात्र शहरी पथ विक्रेताओं को पहुँचे लाभ–नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने पीएम स्वानिधि योजना का लाभ प्रदेश के पात्र शहरी पथ विक्रेताओं तक पहुँचाए जाने के निर्देश शहरी निकायों को दिये है। उन्होंने कहा कि इस मदद से शहरी पथ विक्रेताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

पथ विक्रेताओं को योजना का लाभ–योजना में चरणबद्ध तरीके से पथ विक्रेताओं को 10 हजार, 20 हजार और तीसरे चरण में 50 हजार रूपये तक की कार्यशील पूंजी उपलब्ध करायी जा रही है। चयनित पथ विक्रेताओं को सर्वेक्षण के बाद पहचान पत्र जारी किये गये हैं। प्रदेश में पीएम स्वानिधि योजना के प्रथम चरण में 10 हजार रूपये की ऋण राशि 7 लाख 97 हजार पथ विक्रेताओं को 797 करोड़ रूपये के रूप में, द्वितीय चरण में 20 हजार रूपये तक की ऋण राशि 2 लाख 71 हजार शहरी पथ विक्रेताओं को 542 करोड़ रूपये के रूप में और तीसरे चरण में 50 हजार रूपये की ऋण राशि करीब 50 हजार शहरी पथ विक्रेताओं को 248 करोड़ 53 लाख रूपये ब्याज मुक्त ऋण के रूप में प्रदान की गई है।

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा–पीएम स्वानिधि योजना के अंतर्गत प्रदेश में डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में विशेष अभियान चलाकर पथ विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 4 लाख से अधिक शहरी पथ विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। डिजिटल ट्रांजेक्शन में कैशबैक का भी प्रावधान किया गया है। इसका लाभ राशि के रूप में पथ विक्रेताओं को दिया जा रहा है।

जिला पंचायत की तालाबंदी और धरना प्रदर्शन आज

मंदसौर, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। 28 फरवरी बुधवार को दोपहर 12 बजे समस्त जिला पंचायत सदस्यों की विभिन्न मांगों को लेकर जिसमे विभागीय समीक्षाएं ना होना, समय पर बैठक ना होना, वर्ष 23-24 की 15वें वित्त की कार्ययोजना की राशि का वितरण न हो पाना व कई अन्य समस्याओं को लेकर सभी जिला पंचायत सदस्यों द्वारा आज जिला पंचायत में तालाबंदी और धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त जानकारी जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी।

प्रथम पाली में हो परीक्षा...

पेज 1 से जारी

प्रथम पाली में आयोजित करने से हाईस्कूल / हायर सेकण्डरी परीक्षा के मूल्यांकन कार्य प्रभावित नहीं होगा। स्थानीय परीक्षाओं का आयोजन सुबह की पाली में आयोजित करने का अनुरोध किया गया है। ताकि हाईस्कूल / हायर सेकण्डरी की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रभावित न हो तथा परीक्षाफल भी समय पर घोषित किया जा सके।

मप्र में ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के लिए होगा सर्वे

भोपाल, 27 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं। कैबिनेट बैठक में भी इस पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की घड़ी में सरकार किसानों के साथ है। जो भी किसान, ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से प्रभावित हुआ है, उसका सर्वे गंभीरता के साथ किया जाए।

बैठक में बताया गया कि पिछले दो-तीन दिनों से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ओलावृष्टि और आतिवृष्टि से फसलों के प्रभावित होने की सूचनाएं मिल रही हैं। कुछ जगहों पर फसल कट चुकी है तो काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देश दिए कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन करके तत्काल राहत राशि किसानों को उपलब्ध कराई जाए। सर्वे की निगरानी सभी मंत्री, सांसद और विधायक करें।

मध्य प्रदेश में बिगड़ा मौसम, विदिशा, रायसेन और राजगढ़ में तेज बारिश, ओलावृष्टि–मौसम परिवर्तन के बीच ही सोमवार की रात व मंगलवार सुबह ग्वालियर चंबल अंचल के शिवपुरी और बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले में जोरदार बारिश हुई व हल्के ओले भी गिरे हैं। इससे फसलों को नुकसान पहुंचा है। शिवपुरी में मंगलवार की सुबह तेज हवा के साथ पानी और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसल और कटी हुई फसल को नुकसान हुआ है। शिवपुरी, कोलारस, पोहरी, नरवर, करैरा आदि क्षेत्रों में कई गांवों में बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। कोलारस और रन्नौद क्षेत्र में खेतों में कटी रखी मसूर व सरसों की फसल में नुकसान हुआ है। वहीं खेतों में खड़ी चना, गेहूं, धनिया की फसल में नुकसान दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने भी यलो अलर्ट जारी करते हुए आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना जताई है। टीकमगढ़ के लिधौरा के बारी व जतारा के बम्होरीकलां में ओले गिरे। कई जगह खेतों के ऊपर ओलों की सफेद चादर सी बन गई। छतरपुर जिले महाराजपुर और चंदला क्षेत्र में बेर और मटर के आकार के ओले गिरे। जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा है।

मालवा-निमाड़: वर्षा व ओलावृष्टि से बर्बाद हो गई फसलें–बूंदाबांदी से शुरू हुई वर्षा ने सोमवार देर रात अंचल में कई जगह ओलावृष्टि का रूप ले लिया। खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई, चना जमीन पर गिर गया। मंगलवार सुबह से भी बादल छाए रहे। सोमवार रातभर में हुई करीब आधा इंच वर्षा ने पूरे जिले में फसलों को नुकसान पहुंचाया। ज्यादा नुकसान खंडवा, खरगोन, बड़वानी, शाजापुर जिले के कई गांवों में नुकसान हुआ है। बुरहानपुर में करीब 16.2 मिमी वर्षा हुई। लगभग पूरे जिले में रातभर वर्षा का दौर चला। फसलों किसानों का कहना है कि खेतों में फसलें पक चुकी थी। कई किसानों ने गेहूं कटवाकर रखे थे, कई किसानों के खेतों में फसल पकने की कगार पर थी। चने की फसल भी आड़ी हो गई। तरबूज दागी हो गए हैं। ऐसे में 10 रुपये किलो में बिकने वाला तरबूज दो रुपये किलो में भी नहीं बिकेगा। गेहूं के दाने का कलर डाउन होने से अब इसके भाव नहीं मिलेंगे।

सतना-दमोह व पन्ना में ओलावृष्टि, अन्य जिलों में हुई वर्षा–महाकोशल-विंध्य के कई जिलों में मंगलवार को वर्षा हुई। सतना में तेज हवाओं के साथ वर्षा और ओलावृष्टि हुई। यहां ग्रामीण क्षेत्रों में चने के आकार के ओले गिरे हैं। बुंदेलखंड के दमोह में अनेक स्थानों पर वर्षा और ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ है। अभाना, नोहटा, घटेरा, बनवार, कुम्हारी, पटेरा और तेंदूखेड़ा क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई है, जिससे चना और मसूर की फसल को नुकसान पहुंचा है। पन्ना जिले के रैपुरा में भी ओलावृष्टि हुई है। रीवा, अनूपपुर, शहडोल और डिंडौरी के शहपुरा और गोरखपुर क्षेत्र में भी वर्षा हुई है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों की मौत–शहडोल जिले के सोहागपुर थानांतर्गत ग्राम बड़ी छतवई में मंगलवार की दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हो गई। मनीषा बैगा (9) पुत्री बब्बा बैगा और गनेश बैगा (7) पुत्र सम्हारु बैगा लकड़ी बीनने के लिए गए थे। उसी समय अचानक वर्षा हुई और तेज गरज के साथ महुआ के पेड़ के ऊपर बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई।

✻ उठावना ✻

स्व. श्री ओंकारलालजी मांदलिया (आंतरीमाता वाले) के कंवर सा., राधेश्याम के जियाजी, दिनेश, मनीष के फूफाजी श्री मोहनलालजी फरक्या पड़दा वाले का श्रीजी शरण दिनांक 27 फरवरी, मंगलवार को हो गया है जिनका उठावना आज दिनांक 28 फरवरी, बुधवार को प्रातः 11 बजे पोरवाल छात्रावास रामटेकरी मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
राधेश्याम पोरवाल (मांदलिया) एवं समस्त मांदलिया परिवार
आंतरीमाता, बड़कुआ, पिपलियामंडी, मंदसौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मंदसौर

दूरभाष क्रमांक-07422-256284, फेक्स-07422-255215
महू-नीमच रोड शासकीय महाविद्यालय के पास मंदसौर, E-mail-: eephedmas@mp.nic.in

NIT NO. 18/2023-24

क्रमांक-485/व.ले.लि./का.यं./2024 मंदसौर, दिनांक - 21.02.2024

निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाईट www.mptender.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः-

टेण्डर आई. डी.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्टमनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्रमांक	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2024_PHED_335857_1	मंदसौर जिले के विकासखंड मंदसौर में नलकूप खनन के लिए स्थल चयन हेतु रेजिस्टीविटी सर्वे का कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना (100 नग)	1,77,000.00	1. 3540.00 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	06.03.2024 17.30 तक
2024_PHED_335859_1	मंदसौर जिले के विकासखंड मल्हारगढ़ में नलकूप खनन के लिए स्थल चयन हेतु रेजिस्टीविटी सर्वे का कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना (100 नग)	1,77,000.00	1. 3540.00 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	06.03.2024 17.30 तक
2024_PHED_335862_1	मंदसौर जिले के विकासखंड सीतामऊमें नलकूप खनन के लिए स्थल चयन हेतु रेजिस्टीविटी सर्वे का कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना (100 नग)	1,77,000.00	1. 3540.00 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	06.03.2024 17.30 तक
2024_PHED_335863_1	मंदसौर जिले के विकासखंड गरोठ में नलकूप खनन के लिए स्थल चयन हेतु रेजिस्टीविटी सर्वे का कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना (100 नग)	1,77,000.00	1. 3540.00 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	06.03.2024 17.30 तक
2024_PHED_335864_1	मंदसौर जिले के विकासखंड भानपुरा में नलकूप खनन के लिए स्थल चयन हेतु रेजिस्टीविटी सर्वे का कार्य बी.ओ.क्यू. अनुसार संपादित करना (100 नग)	1,77,000.00	1. 3540.00 2. प्रथम आमंत्रण	60 दिवस	06.03.2024 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिग एकाउन्ट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाईन उक्त बेवसाईट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
नोट :- निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

(पी.के. गोगादे)
कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. खंड, मंदसौर
फोन नं.-07422232190

G-24952/23 दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी।

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 27.02.2024

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विकास मीणा पिता देवीलाल जी मीणा जाति मीणा, निवासी ग्राम आक्या फत्तू तहसील व जिला मंदसौर द्वारा आवासीय भवन जो भूमि सर्वे सर्वेक्षण क्रमांक-134 पर दर्ज होकर आवासीय भूखण्ड संख्या क्रमांक-132(पी) होकर ग्राम आक्या फत्तू प.ह.नं. 35 तहसील व जिला मंदसौर है. जिसका सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249392024ए1217261 दिनांक 21.02.2024 को श्रीमती टीना पति विकास मीणा जाति मीणा, निवासी ग्राम आक्या फत्तू तहसील व जिला मंदसौर को बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा निम्नवत है-

चर्तु सीमा-पूर्व में-रास्ता, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर में-कचरूलाल, दक्षिण में कचरूलाल जी की खाली भूमि, कुल क्षेत्रफल - 308 वगमीटर है।

उक्त संपत्ति पर विकास मीणा पिता देवीलाल जी मीणा जाति मीणा, द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय, मंदसौर

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 01/2024

जिला चिकित्सालय, मन्दसौर में केन्टीन का वार्षिक ठेका दिया जाना है। टेण्डर डाक्युमेंट जिला चिकित्सालय मन्दसौर के कक्ष क्रमांक 19 में दिनांक 7-3-2024 तक रूपये 500/- जमा कर प्राप्त किए जा सकते हैं। जमा राशि की रसीद प्राप्त करें। निविदा प्रपत्र दिनांक 11-3-2024 को या इससे पूर्व अपराह्न 5:30 बजे तक तक स्पीड पोस्ट या कुरियर के माध्यम से जमा कराए जा सकते हैं। निविदा प्रस्तुत करने की विधि व शर्तें टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती हैं। प्राप्त निविदाएँ उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष दिनांक 12-3-2024 को अपराहन 5:30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के चेम्बर में खोली जाएँगी।

सिविल सर्जन
सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय, मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in